• साइज और आकृति:

✓बड़े, सुगठित और सममित कोकून की तलाश करें।
✓सबसे अच्छा कोकून आमतौर पर अंडाकार या गोल आकार का होता है।

• रंग:

✓प्राकृतिक रेशमकीट हाथी दांत से हल्के पीले रंग के कोकून का उत्पादन करते हैं। एक समान रंग उच्च गुणवत्ता का संकेत देता है।
✓काले धब्बे या मलिनकिरण जैसे असामान्य रंग भिन्नता वाले कोकून से बचें।

• बनावट:

✓स्पर्श करने पर कोकून चिकना और दृढ़ महसूस होना चाहिए।
✓चमकदार सतह से पता चलता है कि कोकून में उच्च गुणवत्ता वाला रेशम है।

• स्थिति:

✓अक्षुण्ण कोकून चुनें, फटे या टूटे हुए कोकून से रेशम की उपज और गुणवत्ता कम हो जाती है।

• वजन:

✓भारी कोकून में आमतौर पर अधिक रेशम फाइबर होते हैं, जो बेहतर गुणवत्ता वाले रेशम में योगदान करते हैं।

के.रे.उ.अ.प्र.सं., के.रे.बो., पाम्पोर प्रकाशन

बुलेटिन संख्या : 08

प्रकाशन वर्ष : 2025

प्रकाशक:

निदेशक, डॉ. सरदार सिंह

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय - भारत सरकार
गलन्दर, पाम्पोर -192 121,
जम्मू व कश्मीर (कें. प्र.)

ई-मेल : csrtipam.csb@nic.in;
वेबसाइट : www.csrtipam.co.in

"उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे रेशम के लिए सर्वश्रेष्ठ कोकून का चयन"

उपशीर्षक: बेहतरीन रेशम उत्पादन के लिए सही कोकून का चयन करने के लिए एक मार्गदर्शिका।

जगदीश वर्मा,बसनागौडा गोनल, प्लाबनी रॉय, एस. स्याम, शिवम भारद्वाज, पवन सैनी, गुलाब खान रोहेला , सादत हामिद खान एवं सरदार सिंह

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय - भारत सरकार
गलन्दर, पाम्पोर -192 121, जम्मू व कश्मीर (कें. प्र.)

❑कोकून चयन में क्या करें और क्या न करें-

❖क्या करें:

- ✓ स्वस्थ और रोगमुक्त रेशमकीटों से कोकून चुनें।
- ✓ सुनिश्चित करें कि कोकून की कटाई सही समय पर की जाए (बहुत जल्दी या देर से नहीं)।
- ✓ आकार, आकार और बनावट में एकरूपता का निरीक्षण करें।

❖क्या न करें:

- ✓ दिखाई देने वाले छेद या क्षति वाले कोकून का चयन न करें।
- ✓ ऐसे कोकून से बचें जो अत्यधिक हल्के या भंगुर हों।
- ✓ अनुचित तरीके से संग्रहित किए गए कोकून का उपयोग न करें।

❑दोषपूर्ण कोकून की पहचान करना-

- ➢ डबल कोकून: दो कीड़ों द्वारा काते गए, जिसके परिणामस्वरूप आसानी से उलझे हुए तंतु बनते हैं।
- ➢ दागदार कोकून (मृत कोकून) के अंदर: प्यूपा मर जाते हैं और भीतरी खोल से चिपक जाते हैं, जिससे दाग पड़ जाते हैं। हिलाने पर ये कोकून आवाज नहीं करते।
- ➢ बाहरी दागदार कोकून: रेशमकीट के आंतों के तरल पदार्थ या मूत्र के अवशोषण के कारण खोल पर जंग लगे रंग के धब्बे।
- ➢ मुद्रित कोकून: अनुचित माउंटिंग फ्रेम के कारण दोष।
- ➢ विकृत कोकून: असामान्य आकार के कोकून, संभावित रूप से प्रजाति भिन्नता या कृषि रसायन जोखिम के कारण।
- ➢ कमजोर कोकून: कम रेशम सामग्री के साथ ढीली-ढाली परतें।
- ➢ पतले सिरे वाले कोकून: एक या दोनों सिरे बहुत पतले होते हैं, प्रसंस्करण के दौरान इनके फटने का खतरा रहता है।
- ➢ छेदा हुआ कोकून: तब होता है जब कोई कीट निकल आता है या भृंगों या परजीवियों द्वारा खा लिया जाता है।

SILK MARK

सत्यमेव जयते
Ministry of Textiles
Government of India

CENTRAL SILK BOARD INDIA

दोषपूर्ण कोकून-